University in News on 14 November 2021

DAINIK JAGRAN PAGE 7

सीधे प्रवेश का आज ही मौका

बीएड

प्रदेशभर के स्ववित्तपोषित कालेजों में होंगे दाखिले, पांच दिन में करीब 90 हजार ने कराया प्रवेश, अल्पसंख्यक कालेजों में प्रवेश 16 नवंबर से

जासं, लखनऊ : राजधानी सहित प्रदेश भर के स्ववित्तपोषित महाविद्यालयों के बीएड पाठ्यक्रम में सीधे दाखिले का रविवार को आखिरी दिन है। पांच दिन में करीब 90 हजार दाखिले इसी काउंसलिंग से हुए हैं।

राज्य समन्वयक प्रो. अमिता बाजपेयी ने बताया कि बीएड में कुछ नए कालेज जुड़ने की वजह से करीब 1 लाख 16 हजार सीटें खाली थीं। इन सभी में सीधे प्रवेश के लिए आठ नवंबर से आनलाइन काउंसलिंग चल रही है। अभी तक 90 हजार अभ्यर्थियों ने प्रवेश ले लिया है। रविवार को खाली सीटों के आंकड़े देखने के बाद आगे निर्णय लिया जाएगा। गौरतलब है कि अभी अल्पसंख्यक कालेजों में प्रवेश के लिए 16 नवंबर से प्रक्रिया शुरू होनी है।

सत्यापन के लिए कम पहुंचे अभ्यर्थी: लखनऊ विश्वविद्यालय (लवि) में शुक्रवार को पीजी डिप्लोमा, एडवांस डिप्लोमा, डिप्लोमा और सर्टिफिकेट आफ प्रोफिसिएंसी में दाखिले के लिए सत्यापन की प्रक्रिया हुई। मेरिट सूची के अनुसार जितने अभ्यर्थियों को प्रवेश के लिए आना था, उनमें से कई विभागों में उपस्थिति कम रही। जो अभ्यर्थी सत्यापन के लिए आए, तीन बजे तक पोर्टल न खुलने की वजह से उनकी फीस जमा नहीं हो सकी।

लवि में 55 में से 45 डिप्लोमा कोर्स में आवेदन कम होने की वजह से नहीं चलने हैं। जिन 10 डिप्लोमा, पीजी डिप्लोमा कोर्स की मेरिट जारी की गई, उनमें से भी कुछ की स्थिति अच्छी नहीं है। शुक्रवार को इन कोर्सों में प्रवेश के लिए अभ्यर्थियों को अभिलेखों के सत्यापन के लिए बुलाया गया था। पीजी डिप्लोमा इन योग में 40 सीटों के सापेक्ष 46 अभ्यर्थियों के नाम मेरिट में शामिल थे। इनमें से 26 अभ्यर्थियों ने सत्यापन कराया। पीजी डिप्लोमा इन रिमोट सेंसिंग एंड जीआइएस में 20 सीटों पर 14 अभ्यर्थियों के नाम मेरिट में थे। उनमें से आठ अभ्यर्थी आए। प्रोफिसिएंसी इन अरेबिक में चार में से दो अभ्यर्थी योग्य नहीं थे। सिर्फ दो ने सत्यापन कराया। एडवांस डिप्लोमा इन अरेबिक में 20 सीटों पर सिर्फ एक अभ्यर्थी का नाम मेरिट में था, वो भी नहीं आया। विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग के राधाकमल मुखर्जी हाल में फीस जमा करने की आनलाइन व्यवस्था की गई थी, लेकिन पोर्टल न खुलने से अभ्यर्थी परेशान रहे।

AMRIT VICHAR PAGE 5

विश्वविद्यालय पहुंची मिशन शक्ति की मशाल

मिशन शक्ति की प्रदीप्त मशाल विश्वविद्यालय के हिंदी तथा आधुनिक भारतीय भाषा विभाग पहुंची। इस अवसर पर विभाग में काव्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें छात्र-छात्राओं ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया। विभागीय परिवार के साथ-साथ छात्र-छात्राओं का उत्साह देखते ही बन रहा था। सरस, सुंदर, मधुरिम परिवेश में 'स्वतंत्रता संग्राम में महिलाओं का योगदान' मूल विषय पर केन्द्रित इस समारोह की मुख्य अतिथि प्रख्यात समाजसेवी, सजग मानवाधिकार चिंतक और ओजस्वी वक्ता डॉ. वंदना मिश्र थीं। इस मौके पर हिंदी विभाग की प्रभारी प्रोफेसर रीता चौधरी ने समाज, साहित्य और स्वतंत्रता संग्राम में स्त्री की भूमिका पर चर्चा की।

लखनऊ विश्वविद्यालय में काव्य प्रतियोगिता में भाग लेने वाले प्रतिभागी। फोटो : अमृत विचार

वाहन लेकर निकले तो हार्न न बजाये

लखनऊ विश्वविद्यालय परिसर में जरूरी काम से अधिकारी वाहन लेकर निकले तो हार्न न बजाएं, ये अपील प्रॉक्टर को करनी पड़ी है। कुछ जरूरी वाहनों को अंदर प्रवेश की अनुमति होने के कारण हार्न बजने की शिकायत आने के बाद प्रॉक्टर ने यह अपील छात्र-छात्रों से की है।

काउंसलिंग से छूटे छात्रों को भी मिल सकता है मौका

पूर्व में पहले और दूसरे चरण की काउंसलिंग में छूटे छात्रों को मौका मिल सकता है। इसमें स्नातक और परास्नातक दोनो ही छात्रों को शामिल गया है। दरअसल प्रवेश प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। काउंसलिंग में छूटे हुए छात्र अब प्रवेश की मांग कर रहे हैं, ऐसे छात्रों से प्रार्थना पत्र ले लिए गये हैं।

पारदर्शिता से होगी भर्ती

विश्वविद्यालय के भैतिक विज्ञान विभाग समेत अलग अलग विभागों में खाली पड़े 199 पदों पर भर्ती की प्रक्रिया में पूरी पारदर्शिता अपनायी जायेगी। इस संबंध में कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने कहा कि भर्ती में कोई भी लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जायेगी। उन्होंने कहा भर्ती प्रक्रिया पूरी पारदर्शिता से हो इसका विशेष ध्यान रखा जायेगा।

आवेदन में त्रुटि पड़ेगी भारी

पीएचडी करने वाली छात्राओं के लिए छात्रवृत्ति आवेदन के लिए आवेदन का मौका दिया गया है। ऐसे में उन्होंने आवेदन करते समय इस बात का ध्यान देना होगा कि कोई त्रुटि न होने पाये, खास तौर पर बैंक की खाता संख्या और आधार पर संख्या पर विशेष ध्यान देना होगा। अपडेट के लिए मोबाइल नंबर भी सही से भरे, आवेदन की अंतिम तिथि 30 नवंबर है।

लापरवाही हुई तो निशुल्क टैबलेट से होंगे वंचित

सरकार की ओर से छात्रों को मिलने वाले निशुल्क लैपटॉप और टैबलेट के लिए डाटा भेजने में लापरवाही हुई तो इसका खामियाजा छात्रों को भुगतना पड़ेगा। इस योजना से वह वंचित हो सकते हैं। विश्वविद्यालय के कुलसचिव की ओर से जारी दिशा निर्देशों के मुताबिक कॉलेज कोड, पता, जनपद, पिनकोड, नामित नोडल अफसर का नाम, ईमेल आईडी, मोबाइल नम्बर के साथ पूरा डाटा जांचने के बाद ही भेजना होगा। डाटा भेजने का कल तक मौका है।

सिफारिशों का दौर अब भी जारी

स्नातक और परास्नातक में प्रवेश के लिए सिफारिशों का दौर अभी भी जारी है, लेकिन प्रक्रिया आनलाइन होने के बाद किसी की दाल नहीं गल रही है। इस संबंध में कई उंची पहुंच वालों की चिठ्ठियां भी आयी लेकिन छात्रों को सौ प्रतिशत प्रवेश की गारंटी नहीं दी गयी। अधकारियों का कहना है कि अलॉटमेंट सभी सीटों पर पहले ही जारी किया जा चुका है, चूकि पूरी प्रक्रिया आनलाइन है, ऐसे में चयनित छात्र अगर अपनी सीट के लिए फीस नहीं भरता है तो उससे पीछे वाले छात्र को सीट आवंटित कर दी जायेगी।

SWATANTRA BHARAT PAGE 4

विश्विद्यालय में मिशन शक्ति के अंतर्गत काव्य प्रतियोगिता का आयोजन

स्वतंत्र भारत,संवाददाता लखनऊ । उत्तर प्रदेश की राजयपाल आनंदीबेन पटेल द्वारा चालाये गए मिशन शक्ति की प्रदीप्त मशाल शनिवार को लखनऊ विश्वविद्यालय के हिंदी तथा आधुनिक भारतीय भाषा विभाग पहुंची। इस अवसर पर विभाग में काव्य प्रतियोगिता का आयोजन हुआ, जिसमें छात्र-छात्राओं ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। । सरस, सुंदर, मधुरिम परिवेश में स्वतंत्रता संग्राम में महिलाओं का योगदान मूल विषय पर केन्द्रित इस समारोह की मुख्य अतिथि प्रख्यात समाजसेवी, पत्रकार, सजग मानवाधिकार चिंतक और ओजस्वी वक्ता डॉ वंदना मिश्र थीं। 5-6 घण्टे तक चले इस कार्यक्रम में लखनऊ विश्वविद्यालय की मिशन शक्ति योजना की समन्वयक प्रो मधुरिमा लाल की स्नेहिल उपस्थति से विद्यार्थी अत्यंत उत्साहित थे। विभागीय परिवार के साथ-साथ छात्र छात्राओं का उत्साह देखते ही बन रहा था। कार्यक्रम का शुभारम्भ मां शारदा के चरणों में दीप प्रज्जवलन और वन्दना के साथ हुआ। तदुपरान्त अतिथियों को पुष्पगुच्छ भेंट किया गया तथा विभागाध्यक्ष प्रो योगेंद्र प्रताप सिंह ने अतिथियों का औपचारिक स्वागत किया। मिशन शक्ति की हिंदी विभाग की प्रभारी प्रो रीता चौधरी ने विषय प्रवर्तन किया एवं समाज, साहित्य और स्वतंत्रता संग्राम में स्त्री की भूमिका पर चर्चा की। प्रो मधुरिमा लाल ने मिशन शक्ति योजना की भूमिका, आवश्यकता और उपादेयता तथा लड़कियों की शिक्षा, सुरक्षा, स्वावलंबन पर बात करते हुए अपने देश और संस्कृति पर गर्व करने पर विशेष बल दिया। कार्यक्रम का संचालन प्रो हेमांशु सेन ने किया। इस अवसर पर आयोजित स्वरचित काव्य पाठ प्रतियोगिता में- वैभव शर्मा (स्नातक -3 सेम)तृतीय स्थान, जय सिंह (स्नातक -पंचम सेम) द्वितीय स्थान एवं वर्तिका तिवारी(स्नातक -पंचम सेम)प्रथम स्थान पर रहीं । डॉ ममता तिवारी और प्रो रश्मि कुमार ने इस काव्य प्रतियोगिता का मूल्यांकन किया। कार्यक्रम में प्रो सूरज बहादुर थापा, डॉ कृष्णाजी श्रीवास्तव, डॉ टी पी राही आदि भी उपस्थित रहे।

TOI PAGE 4

LU students to get tabs, smartphones

Times News Network

Lucknow: Undergraduate students of Lucknow University and its affiliated colleges will soon get tablets and smartphones under the Uttar Pradesh government's Digishakti scheme.

The university has directed all its colleges to send details of its UG students till Monday so that details can be forwarded to the government for tablets and smartphone distribution.

DIGISHAKTI SCHEME

"Students don't have to register or fill any form for this scheme. All students who are enrolled in any programme in session 2021-22 are automatically eligible for this scheme," said LU's Digishakti incharge Prof Anil Mishra. He said that it will be the responsibility of the college to send the student data. At first, the student data will be collected and verified at the college level and then the university will verify and send it to the government, he added.

He said under the Digishakti scheme the government will distribute smartphones and tablets among students graduating from technical, medical, and nursing institutions as well as those enrolled in skill development programmes.

The colleges have been given a link that has the government's format in which the student data have to be filled. Also, they have to appoint a nodal officer who will be given the responsibility of student data collection and submission in the set format, he added.